इकाई - 2 Date - 30.05.20

* सीखने का आकलन : क्यों आवश्यक है।

Ans → आकलन का मुख्य रूप से उद्देश्य है, सीखने के दौरान बच्चों की उपलब्धि की गुणवत्ता को परखना। गणित में सीखने के आकलन की आवश्यकता को हम निम्न प्रकार से समझ सकते हैं—

(i) गणित की विभिन्न अवधारणाओं की समझ व प्राप्ति छात्रों को किस सीमा तक हुई, यह आकलन द्वारा पता चलता है।

(ii) आकलन द्वारा शिक्षा के उद्देश्य एवं विषय वस्तु किस सीमा तक प्राप्त हो चुके हैं, इसकी जानकारी मिलती है।

(iii) कक्षा-कक्ष में जो अनुभव या विषय वस्तु प्रदान किए गए हैं वो कितने प्रभावशाली थे, इसका भी परीक्षण आकलन द्वारा होता है।

(iv) आकलन उन स्थितियों का पता करता है जो विद्यार्थियों को उद्देश्य की ओर प्रगति प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करें।

(v) उद्देश्य एवं शिक्षण विधियों की समीक्षा करना या पता करना कि क्या इनमें संशोधन की आवश्यकता है, यह भी आकलन के द्वारा पता चलता है।

(vi) आकलन बच्चों को यह बोध कराने में मदद करता है कि गणित एक विषय के रूप में हमारे ~~अनुभव~~ अनुभव से जुड़ा है तथा दैनिक जीवन में प्रयोग किया जाता है, परंतु यह अमूर्तता पर आधारित है।

(vii) आकलन बच्चों द्वारा सही नियमों की प्रणाली का प्रयोग कैसे किया जाए पढ़ाने पर जोर न देकर, बच्चों में गणित की समझ विकसित करने व समस्याओं को सुलझाने के लिए विभिन्न तरीकों के प्रयोग पर जोर देता है।

(viii) आकलन के द्वारा कक्षा में की जाने वाली प्रक्रियाओं में प्रणालियों और तथ्यों को याद रखने पर जोर न देकर बच्चों के तार्किक स्तरों और बच्चों द्वारा दिए गए तर्क को समझने व विकसित करने पर जोर दिया जाता है।

(ix) आकलन द्वारा गणित की कक्षा में प्रत्येक बच्चे को आत्मविश्वासी तथा गणितीय सोच में संलग्न बनाये जाने की शिक्षण योजना बच्चों के सीखने के स्तर को ध्यान में रखते हुए विकसित की जाती है, क्योंकि यही गणित शिक्षण का मूल आधार है।

अतः आकलन विद्यार्थियों और शिक्षकों के विषयों को ही नहीं करता है कि बल्कि पूरी शिक्षण प्रणाली के बारे में हमें बहुत कुछ बताता है। यदि शिक्षक यह देखते हैं कि विद्यार्थी कोई कौशल प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं तो पाठ्य-वस्तु के शिक्षण, प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम के विषय में विचार कर वे अपनी योजना में परिवर्तन भी कर सकते हैं।

END

Scanned with CamScan